ASTRO ARPITA NATH

पद आधारित 27 नक्षत्र नामकरण अक्षर

Arpita Nath द्वारा · प्रारंभिक ज्योतिष नोट्स · 2026-07-27

27 नक्षत्र और उनके **4 पद** (चरण) उनके संबंधित नाम-अक्षर ध्वनियों (अक्षरों) के साथ। वैदिक परंपरा मानती है कि ब्रह्मांड की रचना ध्वनि स्पंदनों (नाद ब्रह्म) के माध्यम से हुई है। 108 नक्षत्र पदों (27 नक्षत्र × 4 पद) में से प्रत्येक एक विशिष्ट ध्वन्यात्मक आवृत्ति से मेल खाता है।

जब किसी बच्चे का नाम उसके जन्म पद (जन्म के समय चंद्रमा जिस पद में स्थित था) के सटीक अक्षर का उपयोग करके रखा जाता है, तो उसका नाम एक व्यक्तिगत मंत्र के रूप में कार्य करता है। जितनी बार भी उनका नाम पुकारा जाता है, यह उनके जन्मकालीन चंद्रमा के साथ सामंजस्य स्थापित करता है, जिससे जीवन भर उनके मन, भावनात्मक शरीर और सूक्ष्म ऊर्जाओं को संतुलित करने में मदद मिलती है।

1. अश्विनी

- **पद 1**: चू
- **पद 2**: चे
- **पद 3**: चो
- **पद 4**: ला / ला

2. भरणी

- **पद 1**: ली / लि
- **पद 2**: लू / लु
- **पद 3**: ले
- **पद 4**: लो

3. कृत्तिका

- **पद 1**: अ
- **पद 2**: ई / इ
- **पद 3**: उ
- **पद 4**: ए

4. रोहिणी

- **पद 1**: ओ

- **पद 2**: वा / वा
- **पद 3**: वी / वि
- **पद 4**: वु / वो

5. मृगशिरा

- **पद 1**: वे
- **पद 2**: वो
- **पद 3**: का / का
- **पद 4**: की / कि

6. आर्द्रा

- **पद 1**: कु
- **पद 2**: घ
- **पद 3**: ङ
- **पद 4**: छ / झ

7. पुनर्वसु

- **पद 1**: के
- **पद 2**: को
- **पद 3**: हा / हा
- **पद 4**: ही / हि

8. पुष्य

- **पद 1**: हु
- **पद 2**: हे
- **पद 3**: हो
- **पद 4**: डा / डा

9. आश्लेषा

- **पद 1**: डी / डि
- **पद 2**: डू / डु
- **पद 3**: डे

- **पद 4**: डो

10. मघा

- **पद 1**: मा / मा
- **पद 2**: मी / मि
- **पद 3:** मू / मु
- **पद 4**: मे

11. पूर्वाफाल्गुनी

- **पद 1**: मो
- **पद 2**: टा / टा
- **पद 3**: टी / टि
- **पद 4**: टू / टु

12. उत्तराफाल्गुनी

- **पद 1**: टे
- **पद 2**: टो
- **पद 3**: पा / पा
- **पद 4**: पी / पि

13. हस्त

- **पद 1**: पू / पु
- **पद 2**: ष
- **पद 3**: ण / णा
- **पद 4**: ठ / ठा

14. चित्रा

- **पद 1**: पे
- **पद 2**: पो
- **पद 3**: रा / रा
- **पद 4**: री / रि

15. स्वाति

- **पद 1**: रू / रु
- **पद 2**: रे
- **पद 3**: रो
- **पद 4**: ता / ता

16. विशाखा

- **पद 1**: ती / ति
- **पद 2**: तू / तु
- **पद 3**: ते
- **पद 4**: तो

17. अनुराधा

- **पद 1**: ना / ना
- **पद 2**: नी / नि
- **पद 3**: नू / नु
- **पद 4**: ने

18. ज्येष्ठा

- **पद 1**: नो
- **पद 2**: या / या
- **पद 3**: यी / यि
- **पद 4**: यू / यु

19. मूल

- **पद 1**: ये
- **पद 2**: यो
- **पद 3**: भा / बा
- **पद 4**: भी / बि

20. पूर्वाषाढ़ा

- **पद 1**: भू / भु

- **पद 2**: धा / धा
- **पद 3**: फा / भै
- **पद 4**: ढा / ढा

21. उत्तराषाढ़ा

- **पद 1**: भे / बे
- **पद 2**: भो / बो
- **पद 3**: जा / जा
- **पद 4**: जी / जि

22. श्रवण

- **पद 1**: खी / खि
- **पद 2**: खू / खु
- **पद 3**: खे
- **पद 4**: खो

23. धनिष्ठा

- **पद 1**: गा / गा
- **पद 2**: गी / गि
- **पद 3:** गु
- **पद 4**: गे

24. शतभिषा

- **पद 1**: गो
- **पद 2**: सा / सा
- **पद 3**: सी / सि
- **पद 4**: सू / सु

25. पूर्वाभाद्रपद

- **पद 1**: से
- **पद 2**: सो
- **पद 3**: दा / दा

- **पद 4**: दी / दि

26. उत्तराभाद्रपद

- **पद 1**: दू / दु
- **पद 2**: थ
- **पद 3**: झ
- **पद 4**: ज्ञ / ञ

27. रेवती

- **पद 1**: दे
- **पद 2**: दो
- **पद 3**: चा / ची
- **पद 4**: ची / चि

पारंपरिक हिंदू नामकरण संस्कार के दौरान, एक ज्योतिषी चंद्रमा के पद का पता लगाने के लिए जन्म के सटीक समय की गणना करता है। उस विशिष्ट ध्वन्यात्मक ध्वनि से शुरू होने वाले नाम का चयन सुनिश्चित करता है।

---

https://astroarpitanath.com/hindi/27-nakshatras-naamkaran-letters/

ज्योतिष केवल मार्गदर्शन के लिए प्रदान किया जाता है। जीवन के महत्वपूर्ण निर्णयों के लिए, कृपया किसी योग्य पेशेवर से परामर्श लें।